



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

15 माघ 1940 (श10)

(सं० पटना 168) पटना, सोमवार, 4 फरवरी 2019

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना

10 सितम्बर 2018

सं० 22/नि०सि०(मुज०)-06-10/2012/1987—श्री माखन लाल गुप्ता (आई०डी०-3938) तत्कालीन सहायक अभियंता, तिरहुत नहर प्रमंडल सं०-1, मुजफ्फरपुर के पद पर पदस्थापित थे तो उनके विरुद्ध उक्त प्रमंडल में पदस्थापन अवधि के दौरान वर्ष 2012 में तिरहुत मुख्य नहर के वि०दू० 679.50 पर कराये जा रहे कैनाल लाईनिंग कार्यों में बरती गयी अनियमितता की जाँच विभागीय उड़नदस्ता अंचल, पटना द्वारा की गयी। उड़नदस्ता अंचल, पटना द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन की समीक्षा विभाग के स्तर पर की गयी। समीक्षोपरांत प्रथम द्रष्टया प्रमाणित आरोपों के लिए विभागीय पत्रांक-658, दिनांक 11.06.2013 द्वारा श्री गुप्ता से स्पष्टीकरण पूछा गया। श्री गुप्ता से प्राप्त स्पष्टीकरण की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गयी। समीक्षोपरांत विभागीय संकल्प ज्ञापांक सं०-1828, दिनांक 04.12.14 द्वारा श्री गुप्ता के विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम 17(2) में विहित रीति से विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी।

संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गयी। समीक्षोपरांत संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से असहमत होते हुए असहमति के निम्न बिन्दुओं पर श्री गुप्ता से विभागीय पत्रांक-1068, दिनांक 10.6.16 द्वारा द्वितीय कारण पृच्छा की गयी।

(1) IS code-5454 के अनुसार किसी भी एकल ईट का Compressive strength  $85\text{kg/cm}^2$  से कम नहीं होना चाहिए। जबकि चार ईट के नमूने में दो ईट का Compressive strength  $85\text{kg/cm}^2$  से कम है। ईट के अन्य पारामीटर भी विशिष्टि के अनुरूप नहीं हैं।

उक्त के आलोक में श्री माखन लाल गुप्ता, तत्० सहायक अभियंता द्वारा अपने पत्रांक-02, दिनांक 19.7.2016 द्वारा द्वितीय कारण पृच्छा का जवाब विभाग में समर्पित किया गया है। जिसमें मुख्य रूप से निम्न बातें कही गयी हैं :-

(i) IS Code-5454 के कंडिका-3 में ईट की जाँच का method of sampling वर्णित है। जो निम्नवत है :-

- 3.2.1 में Sampling in motion.
- 3.2.2 में Sampling from a stock
- 3.2.3 में Sampling from lorries or truck इस तरह कार्य में व्यवहृत होने के पूर्व ही नये ईंटों की Sampling करनी थी। उड़नदस्ता द्वारा निर्धारित Sampling की प्रक्रिया को

नहीं अपनाया गया। संभवतः इसी कारण से उड़नदस्ता द्वारा चारों ईंटों का औसत **Compressive strength** निकाल कर  $100\text{kg/cm}^2$  से तुलना की गयी है एवं ईंट के निष्कर्ष में अंकित किया गया है कि इन ईंटों का मानक के नजदीक माना जाय।

(ii) Stack से नई ईंट नहीं लेने एवं लेईंग को तोड़कर ईंट लेने एवं उससे **compressive strength** तथा अन्य भौतिक गुणों पर पड़ने वाले प्रभाव की व्याख्या मैंने संचालन पदाधिकारी को स्पष्ट करते हुए बचाव-बयान में लिखित रूप से दिया गया था। जिसे समीक्षा में नजर अंदाज कर दिया गया।

(iii) संचालन पदाधिकारी द्वारा भी उक्त कंडिका (ii) में उठायी गयी तथ्यों का विस्तार से विवेचना करते हुए अंकित किया गया है कि यह निदेश उन ईंटों पर लागू होता है जिसकी जाँच व्यवहार से पूर्व ही किया गया है।

(iv) संचालन पदाधिकारी द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि पुराने तोड़कर निकाले गये ईंटों की तुलना नई ईंटों के गुण धर्म से करना उचित नहीं है।

उपरोक्त तथ्यों के आलोक में चूंकि ईंट की **Sampling IS code-5454** के अनुरूप नहीं की गयी है। इसलिए ईंट का औसत **compressive strength** जो  $86.00\text{kg/cm}^2$  है को एकल ईंट का अनुमान्य **compressive strength**  $85\text{kg/cm}^2$  से अधिक पाये जाने के फलस्वरूप ईंटों का मानक के अन्तर्गत माना गया।

श्री गुप्ता, तत्त0 सहायक अभियंता से प्राप्त द्वितीय कारण पृच्छा के जवाब की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गयी। जिसमें निम्न तथ्य पाये गये हैं :-

श्री गुप्ता, तत्त0 सहायक अभियंता द्वारा संचालन पदाधिकारी के समक्ष दिये गये बचाव-बयान के समीक्षोपरांत संचालन पदाधिकारी द्वारा **IS code 5454** के कंडिका 5.2.1.1 का उल्लेख करते हुए जाँच में पाये ईंटों का औसत **compressive strength**  $85\text{kg/cm}^2$  अनुमान्य सीमा के अन्तर्गत बताते हुए आरोप को अप्रमाणित होने का मंतव्य दिया गया था। उल्लेखनीय है कि **IS code-5454** की कंडिका 5.2.1.1 के अनुसार किसी भी एकल ईंट का **compressive strength**  $85.00\text{kg/cm}^2$  से कम नहीं होना चाहिए। जाँच में चार अदद ईंट (एकत्रित) के नमूनों का **compressive strength** 95.68, 94.18, 75.34 एवं  $74.48\text{kg/cm}^2$  पाया गया एवं प्रथम श्रेणी के ईंट का औसत **compressive strength**  $100\text{kg/cm}^2$  होता है। उक्त से स्पष्ट है कि जाँचित चार अदद ईंट के नमूनों में से दो अदद ईंट का **compressive strength**  $85\text{kg/cm}^2$  से कम पाया गया है।

श्री गुप्ता, तत्त0 सहायक अभियंता द्वारा **IS code-5454** के कंडिका-3.2.1, 3.2.2 एवं 3.2.3 में **Methods of sampling** का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि **IS code** के अनुसार कार्य में प्रयुक्त होने के पूर्व ही नये ईंटों की **Sampling** करने का प्रावधान है। जबकि उड़नदस्ता द्वारा कराये गये **Laying** कार्य में से छेनी हथौड़ी से तोड़कर ईंट का नमूना संग्रह कर जाँच करायी गयी है जो **IS code** के निर्धारित प्रक्रिया के अनुकूल नहीं है। उक्त कोड में व्यवहृत ईंट की **Sampling** करने का कोई प्रावधान नहीं है। फलस्वरूप जाँच में पाये गये चारो ईंट का औसत **compressive strength**  $86.00\text{kg/cm}^2$  मान्य सीमा के अन्तर्गत है।

प्रश्न है जब **IS code-5454** के कंडिका-3.2.1, 3.2.2 एवं 3.2.3 कार्य में व्यवहृत ईंट के नमूनों पर लागू नहीं होता है तो फिर उसी कोड के कंडिका 5.2.1.1 के संदर्भ में ईंट का **compressive strength** की मान्य सीमा  $85\text{kg/cm}^2$  के आधार पर मान्यता दिया जाना उचित नहीं है। ऐसी स्थिति में 1004 ईंट का औसत **compressive strength**  $100\text{kg/cm}^2$  के जगह पर चारों ईंट का औसत **compressive strength**  $86\text{kg/cm}^2$  पाया जाना परिलक्षित करता है कि कार्य में न्यून विशिष्टि को ईंट का उपयोग किया गया है साथ ही ईंट की नमूनों की जाँच में अन्य पारामीटर यथा **under burnt, face distorted एवं rounded shape** पाया गया है। जबकि भुगतान प्रावधान के अनुरूप किया गया है।

अतः न्यून विशिष्टि के ईंट का उपयोग करने तथा प्रावधान के अनुरूप अनियमित भुगतान करने के लिए श्री माखन लाल गुप्ता, तत्कालीन सहायक अभियंता, तिरहुत नहर प्रमंडल सं0-1, मुजफ्फरपुर को दोषी पाये गये एवं उक्त के लिए विभागीय अधिसूचना सं0-550 दिनांक-19.04.2017 द्वारा निम्न दण्ड संसूचित किया गया।

“दो वेतनवृद्धि पर संचयात्मक प्रभाव से रोक”

उक्त दण्ड के विरुद्ध श्री माखन लाल गुप्ता, सहायक अभियंता द्वारा अपने पत्रांक-19 दिनांक-19.05.2017 द्वारा पूर्णविलोकन अर्जी विभाग में समर्पित किया गया जिसमें मुख्य रूप से निम्न बातें कही गयी हैं:-

श्री गुप्ता द्वारा द्वितीयकारण पृच्छा के साथ **IS code 5454-1978** की छायाप्रति भी संलग्न किया गया एवं संभवतः उसी के आलोक में उड़नदस्ता जाँच प्रतिवेदन एवं संचालन पदाधिकारी के मंतव्य को अमान्य करते हुए मुझसे पृच्छा की गई है। मेरे द्वारा समर्पित द्वितीयकारण पृच्छा के उत्तर प्रतिवेदन के आधार पर मुझसे किसी प्रकार का प्रति परीक्षण नहीं करते हुए विभागीय पत्रांक-550 दिनांक-19.04.2017 द्वारा दण्ड संसूचित किया गया जिसके अवलोकन से स्पष्ट है कि समीक्षा के दौरान उड़नदस्ता जाँच प्रतिवेदन में अंकित तथ्यों, संचालन पदाधिकारी के प्रतिवेदन में उद्धित तथ्यों एवं **IS code 5454-1978** में निर्धारित ब्रीक के नमूनों के संग्रह के तरीके पर विस्तृत चर्चा की गई है। परन्तु आरोप अधिष्ठान में उक्त सभी तथ्यों को नजर अंदाज किया गया है। जिस **IS code 5454-1978** के आधार पर

द्वितीय कारणपृच्छा की गयी उसे भी नकार दिया गया है एवं सीधे 100 A Brick के मानक कम्प्रेसिव स्ट्रेन्थ  $100\text{kg/cm}^2$  की अनिवार्यता की अपेक्षा की गई। जो किसी मानक के अनुरूप नहीं है। वस्तुतः ब्रीक से संबंधित मानक कार्य में प्रयुक्त होने वाले ईंट(नई/अप्रयुक्त)का कम्प्रेसिव स्ट्रेन्थ  $100\text{kg/cm}^2$  के विरुद्ध  $85\text{kg/cm}^2$  की अनिवार्यत दर्शायी गयी है परन्तु इस मामले में कराये गये कार्य से छेनी हथौड़ी के माध्यम से प्राप्त किये गये पुराने/प्रयुक्त ईंटों का Compressive strength  $100\text{kg/cm}^2$  की अनिवार्यता की समीक्षा के दौरान दर्शायी गयी है। जो तर्क संगत नहीं है। अतः अधिरोपित दण्ड को निरस्त करने की कृपा की जाय।

श्री गुप्ता, सहायक अभियंता से प्राप्त पूर्णविलोकन अर्जी की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गयी जिसमें निम्न तथ्य पाये गये हैं:-

श्री गुप्ता, तत्कालीन सहायक अभियंता द्वारा पूर्णविलोकन अर्जी में नहीं तथ्य एवं साक्ष्य किया गया है जो उनके द्वारा विभागीय कार्यवाही के दौरान संचालन पदाधिकारी एवं द्वितीयकारण पृच्छा के जवाब में दिया गया है। उनके द्वारा पूर्णविलोकन अर्जी में कहा गया है कि विभागीय समीक्षा में उड़नदस्ता जाँच प्रतिवेदन एवं संचालन पदाधिकारी के जाँच प्रतिवेदन में अंकित तथ्यों को अनदेखी की गई है। साथ ही IS code 5454-1978 में दिये गये प्रावधान के अनुरूप भी ईंट के कम्प्रेसिव स्ट्रेन्थ पर विचार नहीं किया गया।

विदित हो की उड़नदस्ता जाँच प्रतिवेदन के समीक्षोपरांत कार्य में न्यून विशिष्टि के ईंट का प्रयोग करने के लिए श्री गुप्ता से प्राप्त स्पष्टीकरण के समीक्षोपरांत विभागीय कार्यवाही संचालित की गई है। उड़नदस्ता जाँच में ईंट का क्रम्प्रेसिव स्ट्रेन्थ औसत  $86\text{kg/cm}^2$  पाया गया है जबकि 100A Brick का मानक Compressive Strength  $100\text{kg/cm}^2$  होता है। संचालन पदाधिकारी के जाँच प्रतिवेदन की समीक्षा की गई। समीक्षोपरांत संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से असहमत होते हुए IS Code-5454 के अनुसार किसी एक ईंट का Compressive Strength  $85\text{kg/cm}^2$  कम नहीं होना चाहिये। जबकि उड़नदस्ता जाँच में चार ईंट का औसत Compressive Strength  $86\text{kg/cm}^2$  पाया गया है जो  $100\text{kg/cm}^2$  से कम है, के आलोक में श्री गुप्ता से द्वितीय कारण पृच्छा की माँग की गई। जिसमें उनसे प्राप्त जवाब की समीक्षा के क्रम में IS Code-5454-1978 के विभिन्न कंडिकाओं में उद्धित तथ्यों के आलोक में मामले की विस्तृत विश्लेषण की गयी है एवं श्री गुप्ता के द्वितीय कारण पृच्छा के उत्तर को अस्वीकार योग्य मानते हुए कार्य में न्यून विशिष्टि के ईंट का उपयोग करने तथा प्रावधान के अनुरूप अनियमित भुगतान करने के आरोप को प्रमाणित पाते हुए श्री गुप्ता को दण्ड संसूचित किया गया। चूँकि श्री गुप्ता द्वारा अपने पूर्णविलोकन अर्जी में आरोप से संदर्भित कोई नया तथ्य/साक्ष्य नहीं दिया गया है। अतएव ऐसी स्थिति में श्री गुप्ता, सहायक अभियंता के पूर्णविलोकन अर्जी को अस्वीकृत करते हुए पूर्व अधिरोपित/संसूचित दण्ड को बरकरार रखने का निर्णय सरकार द्वारा लिया गया है।

**“दो वेतनवृद्धि पर संचयात्मक प्रभाव से रोक”**

उक्त निर्णय श्री माखन लाल गुप्ता, सहायक अभियंता, बाढ़ नियंत्रण एवं जल निस्सरण, अवर प्रमंडल, रेवा, मुजफ्फरपुर को संसूचित किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
राजभूषण प्रसाद,  
सरकार के उप सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 168-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>